सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 168 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 19 फरवरी, 2024

कभी-कभी लोग इसलिए सच नहीं सुनना चाहते क्योंकि वे अपने भ्रम को टूटने नहीं देना चाहते।

-फ्रेडरिक नीत्शे

यशस्वी-जडेजा ने अंग्रेजों को... 7 | जितना प्रचार उतनी आसान नहीं... 3 | भाजपा ने अब तक जनता के... 2

यूपी में युवाओं के साथ हो रहा अन्याय : राहुल गांधी

हाईकोर्ट में ओबीसी जजों की कमी के मुद्दे पर भी घेरा

» कांग्रेस दिलाएगी युवाओं को न्याय

» आज तकरीबन दो साल बाद अमेठी जाएंगे राहुल

4पीएम न्यूज नेटवर्क

प्रतापगढ़। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का आज 37वां दिन है। राहुल गांधी की यात्रा यूपी के प्रतापगढ़ से होते हुए आज अमेठी पहुंचेगी। न्याय यात्रा आज शाम करीब 4 बजे अमेठी पहुंचेगी। जाहिर है कि राहुल गांधी 2 साल बाद अमेठी पहुंच रहे हैं। अमेठी के बाबूगंज में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

अमेठी पहुंचने से पहले प्रतापगढ़ में यात्रा के दौरान राहुल ने प्रतापगढ़ से केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि जब वे हाल ही में वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर में पहुंचे, तो पुलिसवालों ने सारे मोबाइल फोन रख लिए। उन्होंने कहा कि बीजेपी नहीं चाहती कि राहुल गांधी शिव मंदिर में अंदर दिखें।

अपने सपने पूरे करने के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहा युवा

कांग्रेस सांसद ने यूपी सरकार पर हमला करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश का युवा अपने सपने पूरे करने के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहा है। सुविधाओं के बिना हर रोज घंटों पढ़कर और मेहनत करने के बाद उन्हें क्या मिलता है? पेपरलीक। राहुल गांधी ने कहा कि हाल ही में लाखों युवाओं ने नौकरी पाने के लिए भर्ती परीक्षा दी और बाद में पता चला कि पेपर लीक हो गया। बीजेपी सरकार युवाओं के साथ अन्याय कर रही है। इन युवाओं के न्याय मिलना ही चाहिए और हम सब इस लड़ाई में उनके साथ हैं।

जनता की सबसे बड़ी परेशानी है बेरोजगारी

मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए व सवाल करते हुए राहुल ने कहा कि देश के हाईकोर्ट में कितने लोग दलित, आदिवासी और पिछड़ा वर्ग से आते हैं? आप इस सवाल पर चुप हो गए। आप में दम नहीं है। आप सोए हुए हैं। राहुल गांधी ने आगे दावा किया कि 650 हाईकोर्ट के जज हैं। 73 फीसदी आप लोगों की आबादी है। 100 जज सिर्फ 73 फीसदी के पास और वे भी छोटे-छोटे। उन्होंने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश में अन्याय के खिलाफ न्याय का युद्ध जारी है। हम जनता के आशीर्वाद और विश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। मैं भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान हजारों लोगों से मिला जिनकी सिर्फ एक ही परेशानी है और वो है बेरोजगारी।

जनता का ध्यान भटकाकर जेब काट रही मोदी सरकार

राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार में आम जनता का ध्यान भटकाकर उनकी जेब से पैसा निकाला जा रहा है। उन्होंने एक शख्स को अपने पास बुलाकर कहा, मान लो लोगों ने मन बना लिया है कि इसकी जेब काटनी है। तो इससे कहेंगे कि उधर देखो पाकिस्तान, उधर देखो अमिताभ बच्चन, उधर देखो एश्वर्य राय और इसकी जेब काट ली जाएगी। जेब काटने वाले का नाम अडानी।

अब किसानों के पाले में गेंद, अगले फैसले पर निगाहें

» केंद्र ने चार और फसलों पर एमएसपी देने का रखा प्रस्ताव

» किसानों का कहना- सभी संगठनों से बात करने के बाद लेंगे फैसला

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी और कर्ज माफी समेत 12 मांगों को लेकर दिल्ली कूच के लिए निकले किसान अध्यादेश पर अड़ गए हैं। हालांकि, रविवार को चंडीगढ़ में किसान नेताओं और तीन केंद्रीय मंत्रियों के बीच हुई चौथे दौर की बैठक में केंद्र सरकार चार और फसलों पर एमएसपी देने को तैयार हो गई। केंद्र सरकार की ओर से धान और गेहूं के अलावा मसूर, उड़द, मक्का और कपास की फसल पर भी एमएसपी देने का प्रस्ताव पेश किया गया, लेकिन इसके लिए किसानों को भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) और भारतीय कपास निगम (सीसीआई) से पांच साल का करार करना होगा। वहीं सरकार के झुकने के बाद अब गेंद पूरी तरह से किसानों के पाले में है। सरकार के फैसले के बाद अब किसानों का कहना है कि वो अपने सभी संगठनों से बात करके इस मामले पर आगे कोई फैसला लेंगे।

21 फरवरी को शांतिपूर्ण तरीके से बढ़ेंगे आगे : पंधेर

एमएसपी पर दालें, मक्का खरीदने के केंद्र के पांच साल के प्रस्ताव पर किसान नेता सरवन सिंह पंधेर का कहना है कि केंद्रीय मंत्रियों ने अपना प्रस्ताव देश के सामने रखा है। हम इस पर चर्चा करेंगे। कल खनौरी में एक किसान की जान चली गई। हमारा नेतृत्व वहां जा रहा है। किसानों के विरोध प्रदर्शन पर किसान नेता ने कहा कि अभी दिल्ली नहीं जा रहे हैं। 21 फरवरी को सुबह 11 बजे हम शांतिपूर्ण तरीके से आगे बढ़ेंगे। तब तक हम केंद्र के सामने अपनी बात रखने की कोशिश करेंगे।

शंभू बॉर्डर पर किसान अपनी मांगों को लेकर डटे हुए हैं। शुरुआती दो दिनों के मुकाबले अभी माहौल शांतिपूर्ण बना हुआ है। अर्धसैनिक बलों ने रविवार को कोई कार्रवाई नहीं की। प्रदर्शन कर रहे किसान भी आगे बढ़ने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। किसान नेताओं के बार-बार आग्रह के बाद हरियाणा पुलिस की बैरिकेडिंग से 50 मीटर की दूरी पर लगी रस्सी के पीछे ही बैठे रहे। किसान नेताओं के मंच पर बड़ी तादाद में महिलाएं भी शंभू बॉर्डर पर किसानों का साथ देने पहुंचीं।

सभी चीजों पर एमएसपी लागू करने से पहले सोचना पड़ता है : वीके सिंह

केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह ने कहा कि किसान आंदोलन राष्ट्रीय लोक दल की तरफ से नहीं चल रहा है। किसान आंदोलन पंजाब से चल रहा है। 22 चीजों पर एमएसपी पहले से ही लागू है। सभी चीजों पर एमएसपी लागू करने से पहले सोचना पड़ता है। किसान सम्मान निधि और सब्सिडी मिला ली जाए तो रक्षा बजट से ज्यादा पैसा इसमें दिया जाता है।

भाजपा ने अब तक जनता के साथ सिर्फ छलावा किया : अखिलेश

» बोले- बीजेपी की कथनी और करनी में है बहुत अंतर

» सरकार में अभी तक जमीन पर नहीं दिखा कोई निवेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनावों में अब ज्यादा वक्त बाकी नहीं रह गया है। सपा प्रमुख व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव लगातार भाजपा पर हमलावर हैं। इस बीच अब एक बार फिर बीजेपी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार ने निवेश के नाम पर अभी तक जनता के साथ छलावा किया है। दस साल में भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकार मिलकर बड़े-बड़े आयोजन कर जनता की आंख में धूल झोंक रही है।

इस सरकार में अभी तक कोई निवेश जमीन पर नहीं दिखाई दिया है। जनता की कमाई इन बड़े आयोजनों में लुटाने के बावजूद किसी भी जिले में कोई बड़ी फैक्ट्री या उद्योग नहीं लगा, जिसमें नौजवानों को नौकरी और रोजगार मिला हो। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार के दावे हमेशा झूठे रहे। सरकार की कथनी और करनी में भारी अंतर है। अपने पहले कार्यकाल में निवेश सम्मेलन और शिलान्यास समारोह पर खूब रुपये लुटाए, लेकिन नतीजा शून्य निकला। दूसरे कार्यकाल में भी 40 लाख करोड़ के एमओयू होने का दावा किया। चुनाव करीब देखकर अब शिलान्यास समारोह का फिर दिखावा किया जा रहा है। केवल चमक-दमक और दिखावा करने से निवेश नहीं आता है। इसके लिए ठोस और स्पष्ट नीति जरूरी है। जिसका भाजपा सरकार में अभाव है। जनता भाजपा की इन चालों को समझती है।

अखिलेश नहीं दे रहे पीडीए को महत्व : सलीम शेरवानी

वहीं सपा में राज्यसभा के लिए दो कायस्थ प्रत्याशी उतारने को लेकर घमासान जारी है। पांच बार के सांसद रहे और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सलीम इकबाल शेरवानी ने पद से इस्तीफा दे दिया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को भेजे त्यागपत्र में उन्होंने कहा है कि वे पीडीए को महत्व नहीं दे रहे हैं। इससे सवाल उठता है कि वह भाजपा से अलग कैसे हैं। राज्यसभा के प्रत्याशी घोषित होने के बाद सलीम इस्तीफा देने वाले दूसरे राष्ट्रीय महासचिव हैं। इससे पहले स्वामी प्रसाद मौर्य भी पिछड़ों, दलितों व अल्पसंख्यकों (पीडीए) की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए पद से इस्तीफा दे चुके हैं। सलीम शेरवानी ने कहा कि उन्होंने पार्टी की परंपरा के अनुसार बार-बार मुस्लिम समाज के लिए एक राज्यसभा सीट देने का अनुरोध किया था। भले ही मेरे नाम पर विचार नहीं किया जाता, लेकिन पार्टी के राज्यसभा प्रत्याशियों में एक भी मुस्लिम उम्मीदवार नहीं है। इससे पता चलता है कि आप (अखिलेश) खुद ही पीडीए को कोई महत्व नहीं देते हैं। सलीम ने त्यागपत्र में कहा है कि अखिलेश से लगातार मुसलमानों की स्थिति पर चर्चा करते रहे हैं। यह बताने का प्रयास किया है कि मुसलमान उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। सपा के प्रति अपना विश्वास लगातार खो रहे हैं। वे एक सच्चे रहनुमा की तलाश में हैं। पार्टी को उनके समर्थन को कम करके नहीं आंकना चाहिए। सलीम ने कहा कि एक मजबूत विपक्षी गठबंधन बनाने का प्रयास बेमानी साबित हो रहा है। कोई भी इसके बारे में गंभीर नहीं दिखता है। ऐसा लगता है कि विपक्ष सत्ता पक्ष की गलत नीतियों से लड़ने की तुलना में एक दूसरे से लड़ने में अधिक रुचि रखता है। धर्मनिरपेक्षता दिखावटी बन गई है। मुसलमानों ने कभी भी समानता, गरिमा और सुरक्षा के साथ जीवन जीने के अपने अधिकार के अलावा कुछ नहीं मांगा, लेकिन पार्टी को यह मांग भी बहुत बड़ी लगती है।

गरीबों के विकास पर ध्यान दे चंपई सरकार : राज्यपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में चंपई सोरेन सरकार ने बिहार की तर्ज पर राज्य में जाति-आधारित सर्वेक्षण को हरी झंडी दे दी है। लेकिन, राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन का कहना है कि राज्य सरकार को बहुत अधिक बातें करने के बजाय सबसे गरीब लोगों के विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। गवर्नर से जब ये पूछा गया कि क्या इस सर्वेक्षण से कोई लाभ होगा, उन्होंने कहा कि राज्य की जनसांख्यिकी के बारे में सभी जानते हैं।

बहुत सारी बातें करने के बजाय, हमें सबसे गरीब लोगों के विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। राज्यपाल ने दूर-दराज के इलाकों में पाइप से पानी के कनेक्शन उपलब्ध कराने की गति के साथ-साथ प्रारंभिक स्तर की शिक्षा में सुधार की भी सराहना की। राज्यपाल ने कहा कि झारखंड में लगभग 8 प्रतिशत (घरों) में नल जल कनेक्शन था, जो अब 35 प्रतिशत से 38 प्रतिशत के बीच है। मुझे उम्मीद है कि इसमें और सुधार होगा और हम अगले साल तक 60 प्रतिशत पूरा कर लेंगे।

एक महीने में विपक्ष के कई बड़े नेता होंगे भाजपा में शामिल : अनुराग

» कमलनाथ व मनीष तिवारी के बीजेपी में जाने की चर्चाओं के बीच बोले केंद्रीय मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पिछले 3-4 दिनों से मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और दिग्गज कांग्रेसी कमलनाथ और उनके बेटे नकुलनाथ के भाजपा में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। इसके अलावा अब एक चर्चा कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी के भी बीजेपी का दामन थामने की चल रही है। हालांकि, इस पर पार्टी की ओर से लगातार खारिज किया जा रहा है। लेकिन इस बीच अब केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने दावा किया है कि अगले एक महीने के अंदर विपक्ष के कई बड़े नेता भाजपा ज्वाइन करेंगे।

इनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री, सांसद-विधायक और बड़े नेता शामिल होंगे। अनुराग ठाकुर ने कहा कि विपक्ष के भी अनेक नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों को देश को आगे बढ़ाने के लिए सही मानते हैं। वे अपनी पार्टीगत बाध्यताओं के चलते खुलकर अपनी बात नहीं रख पाते, लेकिन उनकी आस्था प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों में है।

पीडीपी ने भी इंडिया गठबंधन से बनाई दूरी

» नेशनल कॉन्फ्रेंस भी गठबंधन से कर चुकी है खुद को अलग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। लोकसभा चुनावों में भाजपा को हराने के लिए बना विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव करीब आते-आते बिखरता जा रहा है। नीतीश कुमार गठबंधन का साथ छोड़ ही चुके हैं। जबकि आप और ममता बनर्जी की टीएमसी जैसे दल भी अकेले चुनाव लड़ने के ऐलान कर चुके हैं। हालांकि, उन्हें मनाने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन इस बीच अब जम्मू-कश्मीर से भी इंडिया गठबंधन को झटके पर झटके लग रहे हैं।

पहले फारूख अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जम्मू-कश्मीर में अकेले चुनाव लड़ने की बात कहकर गठबंधन से किनारा किया था। अब नेशनल कॉन्फ्रेंस यानी कि नेकां के बाद जम्मू-कश्मीर की दूसरी क्षेत्रीय पार्टी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी यानी कि पीडीपी ने भी लोकसभा चुनाव में अलग प्रत्याशी उतारने का फैसला किया है। पार्टी की संसदीय समिति जल्द ही प्रत्याशियों के नाम की घोषणा करेगी। इससे पहले नेकां चुनाव लड़ने का एलान कर चुकी है।

महबूबा बोलीं- जल्द ही तय किए जाएंगे उम्मीदवारों के नाम

चुनावों के लिए पार्टी पूरी तरह से तैयार

पीडीपी की लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर मध्य कश्मीर में हुई बैठक के बाद मुफ्ती ने कहा कि देश में आगामी लोकसभा चुनावों के लिए उनकी पार्टी पूरी तरह से तैयार है। जल्द ही प्रदेश में लोकसभा सीटों के उम्मीदवारों के नाम पर तय कर लिए जाएंगे। मोहम्मद सरताज मदनी के नेतृत्व वाला पार्टी संसदीय बोर्ड जल्द ही उम्मीदवारों को अंतिम रूप देगा। बैठक में पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अब्दुल रहमान वीरी, महासचिव डॉ. महबूब बेग व गुलाम नबी लोन हंजुरा, अतिरिक्त महासचिव आशिया नकाश, पूर्व मंत्री नईम अख्तर व जहूर अहमद मीर के साथ ही जिला अध्यक्ष, निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी, क्षेत्रीय अध्यक्ष उपस्थित रहे।

नेशनल कॉन्फ्रेंस भी अकेले उतारेगी उम्मीदवार

ज्ञात हो कि सबसे पहले नेकां उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि नेकां के कब्जे वाली सीटों को छोड़कर अन्य सीटों पर गठबंधन के बारे में विचार होगा। इसके बाद नेकां प्रमुख ने अकेले ही चुनाव मैदान में उतरने का एलान कर दिया था। तब पीडीपी ने कहा था कि पार्टी का इरादा तो एकता में है, लेकिन नेकां के फैसले के मद्देनजर उपयुक्त समय पर निर्णय किया जाएगा।

सोच-समझकर किया जाएगा उम्मीदवारों का चयन : अजित

» सुप्रिया सुले के खिलाफ अपनी पत्नी को उम्मीदवार बनाने पर बोले जूनियर पवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। आगामी लोकसभा चुनाव में अपनी चचेरी बहन के खिलाफ अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को उम्मीदवार बनाने के कयासों के बीच महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि पार्टी कैडर बारामती निर्वाचन क्षेत्र में एकजुट है। बारामती में एनसीपी में कोई दरार नहीं है। उम्मीदवार का चयन सोच समझकर किया जाएगा। नवी मुंबई के वाशी में एक पार्टी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन कई पहलुओं पर विचार करने के बाद किया जाएगा।

पारिवारिक दरार को लेकर सवाल पर उन्होंने कहा कि ऐसा कुछ नहीं है। बारामती में एनसीपी कैंप में सद्भावना है। गौरतलब है कि अजित पवार ने नेतृत्व वाली एनसीपी महाराष्ट्र सरकार के साथ गठबंधन में हैं। अजित पवार ने कहा कि भाजपा नेता हर्षवर्द्धन पाटिल और मेरे बीच किसी भी तरह का मनमुटाव नहीं है। शिंदे सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आठ लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले परिवारों की लड़कियों को मुफ्त शिक्षा पर राज्य सरकार काम कर रही है। समावेशी प्रगति के लिए महाराष्ट्र की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस दौरान एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि दुनिया और भारत बेहतरी के लिए बदल रहे हैं।

जितना प्रचार उतनी आसान नहीं भाजपा की राह!

अबकी बार 400 पार के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही बीजेपी

» कांग्रेस मजबूत चुनौती देने के लिए तैयार

» अनुकूल मीडिया व प्रचार के सहारे माहौल बनाने में जुटी भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हर बीतते दिन के साथ देश के अंदर लोकसभा चुनाव करीब आते जा रहे हैं। अब लोकसभा चुनावों में सिर्फ 85-90 दिनों का ही वक्त बाकी रह गया है। ऐसे में अब सभी सियासी दलों ने अपनी-अपनी योजनाओं को अमलीजामा पहनाना शुरू कर दिया है और अपनी रणनीति पर काम करना प्रारंभ कर दिया है। देश की सत्ताधारी पार्टी भाजपा इस बार 400 पार के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही है। इसके लिए पार्टी हर संभव प्रयास कर रही है। फिर वो चाहे राम मंदिर के मुद्दे को उठाना और उसका लाभ लेने के लिए आधे-अधूरे बने हुए मंदिर में ही रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करा देना हो या फिर विपक्षी नेताओं को ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स जैसी सरकारी एजेंसियों द्वारा निशाना बनाना हो। बीजेपी सिर्फ एक मकसद से आगे बढ़ रही है कि किसी भी तरह से वो 400 पार के लक्ष्य को पा सके।

हालांकि, भाजपा इसको लेकर खुद को काफी आश्वस्त दिखा रही है। प्रधानमंत्री मोदी तो संसद में ये कह तक चुके हैं कि इस बार बीजेपी अकेले 370 सीटें जीतेगी। जबकि एनडीए गठबंधन 400 के आंकड़े को पार कर ले जाएगा। वो अपनी जनसभाओं व रैलियों में भी अभी तक इस बात को दोहरा रहे हैं कि अबकी बार 400 पार का लक्ष्य तय है। लेकिन पीएम मोदी व भाजपा कितना भी खुद को आश्वस्त दिखा लें, लेकिन भाजपा के लिए 400 पार की राह इतनी आसान भी नहीं है, जितनी भाजपा उसे दिखाने का प्रयास कर रही है। निश्चित ही विपक्षी गठबंधन इंडिया की ताकत और हालत अब वैसी नहीं रही है, जैसी इस गठबंधन के शुरूआत में थी। क्योंकि अब इसमें टूट भी हो चुकी है और नाराजगी भी व्याप्त है। जो नीतीश कुमार इस गठबंधन के सूत्रधार थे, जिन्होंने इसकी नींव रखी थी। अब वो ही नीतीश कुमार वापस भाजपा के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन में चले गए हैं। अब नीतीश कुमार आए दिन इंडिया गठबंधन और उसके दलों को ही कोस रहे हैं और उन पर आरोप लगा रहे हैं। तो वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में भी ममता बनर्जी की टीएमसी ने अकेले ही लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। ममता आए दिन कांग्रेस पर निशाना साधती रहती हैं। जबकि आम आदमी पार्टी और समाजवादी पार्टी के साथ भी इंडिया गठबंधन में कांग्रेस की बात अभी तक साफ नहीं हुई है। ऐसे में इस बात में तो कोई दोराय नहीं है कि इंडिया गठबंधन कमजोर हुआ है। लेकिन ये कहना या ये मान लेना कि भाजपा 400 के आंकड़े को बड़ी आसानी से पार कर लेगी। ये इतना आसान नहीं है।

बेशक मीडिया और बाकी प्रचारतंत्र सत्ता दल के पक्ष में हैं। यही वजह है कि आजकल समाचारों की सुर्खियों में राम लहर के साथ मोदी के लिए अबकी बार 400 पार के साथ ही इंडिया गठबंधन बिखर जाने की खबरें छाई हुई हैं। विभिन्न माध्यमों से आम मतदाताओं के बीच यह धारणा बनाई जा रही है कि चुनाव के नतीजे लगभग तय हो चुके हैं। खुद प्रधानमंत्री एवं उनकी टीम के नेता अपनी बातों एवं अनुकूलित मीडिया के जरिए अवधारणा के स्तर पर जनता में यह संदेश देने की लगातार कोशिश कर रहे हैं कि वे और उनका गठबंधन यानी कि एनडीए ही देश की असली गारंटी है। प्रधानमंत्री हर जगह जाकर अब ये बोलने लगे हैं कि जनता सिर्फ मोदी की गारंटी पर विश्वास कर रही है। सिर्फ मोदी की गारंटी पर ही लोगों को यकीन है और सिर्फ मोदी की गारंटी ही पूरी होती है। लेकिन ये कहने और सच में वैसा ही होने में काफी अंतर है। हालांकि, कई अंतरविरोधों से ग्रस्त इंडिया गठबंधन में शामिल दलों के लगातार बिखराव और कलहकारी परिदृश्य भाजपानीत-एनडीए के दावों को पुख्ता करने के लिए खाद-पानी का काम कर रहे हैं, लेकिन प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस भी कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती। गठबंधन की उठा पटक से ठीक पहले तीन राज्यों में बुरी तरह हार चुकी कांग्रेस न्याय यात्रा के जरिए रणनीतिक तरीके से सरकार को घेरने की हर संभव कोशिश कर रही है।

> प्रधानमंत्री मोदी तो संसद में ये कह तक चुके हैं कि इस बार बीजेपी अकेले 370 सीटें जीतेगी। जबकि एनडीए गठबंधन 400 के आंकड़े को पार कर ले जाएगा।

मोदी का काट राहुल

कांग्रेस नेता पाहुल गांधी अपनी सभाओं में छात्रों, नौजवानों, गरीबों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों, किसानों के मूलभूत मुद्दों को आगे कर मोदी सरकार की नीतियों पर लगातार प्रहार कर रहे हैं। यानी एक दूसरे को मात देने के लिए मतदान से पहले यह लड़ाई खबरों से लड़ी जा रही है। तीसरी बार भी मोदी ही सरकार, अथवा अबकी बार 400 के पार का नारा चुनाव की घोषणा के पहले ही दिया जा रहा है। भाजपा के छोटे से लेकर बड़े नेता उठते बैठते इस स्लोगन को दोहरा रहे हैं। वहीं टीम राहुल से जुड़े लोग चुनिंदा बड़े उद्योगपतियों को निशाने पर लेकर सरकार पर गरीबों का हक मारने, आर्थिक लूट के आरोप मढ कर अपनी दलीलें पेश कर रहे हैं। यह मतदाताओं की राजनीतिक भूमिका निभाने की क्षमता को प्रभावित करने की कोशिश जैसा दिखता है। टेक कंपनियों की मदद से खबरों के इको चेंबर का निर्माण कर विचारधारा के प्रभाव से मुक्त नए मतदाताओं की राजनीतिक समझ को कुंद करने की कोशिश जैसी लगती है। बाजार द्वारा उपलब्ध आंकड़ों और कृत्रिम मेधा की मदद से एक-एक मतदाता की भावनात्मक कमजोरी के हिसाब से उसे चुभने वाले राजनीतिक असरकारी संवाद परोसे जा रहे हैं। इस मामले में कोई भी दल पीछे नहीं है, लेकिन विशाल वैभव के सहारे सत्ता पक्ष ऐसी अवधारणाएं गढ़ने में सबसे आगे है। भाजपा भले ही 400 पार का नारा लगा रही है, मगर इसे पाना बहुत आसान काम नहीं है। वर्तमान को देखकर यह कतई नहीं कहा जा सकता कि 2024 के चुनाव में इंडिया गठबंधन भाजपा के विजय रथ को लगाम दे सकता है, लेकिन मोटे तौर पर यह कहा जा सकता है कि खेल अभी उतना आसान नहीं है जितना बीजेपी की ओर से दावे किए जा रहे हैं।

विपक्षी एकता से कई गुना बढ़ेंगी बीजेपी की मुश्किलें

इसी प्रकार उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और गुजरात में भी भाजपा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले चुनाव में कर चुकी है, जिसका एकमात्र कारण मोदी का नेतृत्व रहा है। लेकिन इस बार अगर इन राज्यों में संयुक्त विपक्ष का उम्मीदवार खड़ा होता है तो निश्चित रूप से भाजपा के लिए 2019 की तुलना में मुकाबला कई गुना बढ़ जाता है। इसी तरह दक्षिण भारत में छह राज्य आते हैं और इनमें पांच राज्यों से लोकसभा में 129 सदस्य चुने जाते हैं। भाजपा के सामने अब लक्ष्य केवल जीत का नहीं बल्कि विपक्ष की करारी हार का भी खड़ा हो गया है। भाजपा पश्चिम बंगाल में 2014 में दो सीट के मुकाबले साल 2019 में 18 सीटों पर और उड़ीसा में एक सीट से आठ सीटों पर जीत दर्ज कर वहां के मजबूत गढ़ में दाखिल हुई थी, लेकिन केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में खाली हाथ रह गई थी। अभी दावों-प्रतिदावों का दौर चल रहा है लेकिन वर्ष 1977, 1980, 2004 और 2014 के राजनीतिक बयार का अनुभव मौजूद है। चुनावी हवा कब किस वेग में किधर का रुख करेगी, इसका सहजता से पता नहीं चलता। सरकार और विपक्ष के हर कदम को परखने वाला मतदाता इस चुनाव में भी दृढ़ता के साथ अपना पक्ष रखेगा यह तय है। आजादी के बाद से ही देश में हुए चुनावों में अपनी समझदारी का परिचय देते आए मतदाताओं का ट्रेंड और विशुद्ध भारतीय चिति का अनुभव तो यही कहता है कि मौजूदा परिस्थितियों में कांग्रेस के लिए 2024 अभी भी टेढ़ी खीर ही है, लेकिन सत्ताधारी दल के लिए भी रायसीना की राह उतनी आसान नहीं है, जितना प्रचार किया जा रहा है।

सिर्फ राम मंदिर काफी नहीं !

जो लोग दुहाई दे रहे हैं कि राम मंदिर मसले के बाद पूरा देश राम मय हो गया है और भाजपा बड़े अंतर से चुनाव जीतेगी, यह ऐसा सोचने वालों की महज कोरी कल्पना है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को लेकर पूरा देश खुश और संतुष्ट है। दुनिया के अधिकांश हिस्सों में भारत के प्रति सहानभूति रखने वाले भी गदगद है। लेकिन वोट को लेकर राम मंदिर निर्माण का असर आधिकाधिक हिंदी प्रदेशों पर ही पड़ेगा जहां पहले से ही भाजपा की स्थिति बहुत अच्छी है। कहने का आशय यह है कि इस मुद्दे का जितना अधिकतम फायदा मिलना था, 2019 के चुनाव में मिल चुका है। 2024 में भाजपा के लिए यह मुद्दा कोई खास करिश्मा करेगा इसमें संदेह है। बेशक कुछ हद तक हिंदू वोटर इससे प्रभावित हो सकता है। लेकिन हिंदू वोटर वैसे भी भाजपा की ही तरफ आकर्षित रहता है। यही कारण है कि मंदिर उद्घाटन और राम के नाम का खुलेआम राजनीतिकरण कर सत्ता की हैट्रिक लगाने का सपना देखने वाली भारतीय जनता पार्टी भी इंडिया गठबंधन से सहमी हुई है। इसी असुरक्षा का नतीजा था कि जिस नीतीश कुमार के लिए भाजपा ने अपने दरवाजे सदा सदा के लिए बंद कर दिए थे, अब खुशी-खुशी रेड कारपेट बिछाकर उनकी अगवानी करनी पड़ी है। उत्तर प्रदेश में 2019 की परफॉर्मेंस को बरकरार रखने के लिए जाट बिरादरी के किसान नेता चौधरी चरण सिंह को मरणोपरांत भारत रत्न देकर उनके पोते जयंत चौधरी से गलबहियां करनी पड़ी। इंडिया गठबंधन में सपा, आप, राजद, डीएमके, झामुमो जैसी बड़ी और स्थानीय स्तर पर अधिक प्रभाव रखने वाली पार्टीयां शामिल है। पिछली बार भाजपा के लगभग 37त्न वोट के मुकाबले अकेले कांग्रेस को करीब 20त्न वोट मिले थे। 2019 के लोकसभा चुनाव में 189 ऐसी सीट थी जहां कांग्रेस की भाजपा से सीधी टक्कर थी अबकी बार इन सीटों में से कई पर समीकरण पूरी तरह से बदल गए हैं। पिछली बार पूर्वोत्तर में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुला था, लेकिन अबकी बार ऐसा नहीं होने वाला। मणिपुर हिंसा असम मेघालय विवाद के नजरिए से देखें तो कांग्रेस मतदाताओं पर असर डाल रही है। हाल में आया मिजोरम विधानसभा चुनाव का परिणाम इस बात का प्रमाण है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

विचारधारा नहीं पद है महत्वपूर्ण...

दरअसल, वर्तमान समय की राजनीति में ये एक आम बात हो गई है कि जैसे ही किसी राज्य के विधानसभा या देश के लोकसभा चुनाव आते हैं नेताओं के पाला बदलने का खेल शुरू हो जाता है। बेशक ये नेता अपने फायदे और महत्वपूर्ण पदों के लिए ऐसा करते हैं, लेकिन इस बीच एक सवाल ये ही उठत है कि क्या अब आज के दौर में इन नेताओं के लिए पद ही सबकुछ हो गया है?

अगले दो से तीन महीनों में देश के अंदर लोकसभा चुनाव होने हैं। एक बार फिर देश को नई सरकार मिलने वाली है। ऐसे में देश की सियासत गरमाई हुई है। सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी रणनीति बनाने में जुटे हुए हैं। तो वहीं इस बीच नेताओं की उछल-कूद भी लगातार जारी है। यानी कई दिग्गज नेता एक पार्टी से पाला बदल कर दूसरी पार्टी में जा रहे हैं। दरअसल, वर्तमान समय की राजनीति में ये एक आम बात हो गई है कि जैसे ही किसी राज्य के विधानसभा या देश के लोकसभा चुनाव आते हैं नेताओं के पाला बदलने का खेल शुरू हो जाता है। बेशक ये नेता अपने फायदे और महत्वपूर्ण पदों के लिए ऐसा करते हैं, लेकिन इस बीच एक सवाल ये ही उठत है कि क्या अब आज के दौर में इन नेताओं के लिए पद ही सबकुछ हो गया है? पद के लालच में वो अपना जमीर तक बेंच सकते हैं? और क्या अब इन नेताओं की अपनी कोई विचारधारा भी नहीं रह गई है? क्योंकि पहले के समय में तो कोई भी व्यक्ति जब राजनीति में आता तो वो उस दल का समर्थन करता था या उस दल का दामन थामता था जिसकी विचारधारा से वो प्रभावित होता था।

फिर वो अगर भाजपा की विचारधारा से प्रेरित है तो बीजेपी में जाएगा, कांग्रेस की विचारधारा और सेक्युलरिज्म से प्रभावित है तो कांग्रेस का हाथ थामेगा और अगर समाजवादी विचारधारा का समर्थक है, तो समाजवादी पार्टी, आरजेडी या और जो दल हैं उनका दामन थामेगा। किसी भी नेता का किसी भी पार्टी में होने का मतलब ही ये होता था कि वो उस पार्टी की विचारधारा को मानता है। लेकिन पिछले कुछ सालों में राजनीति में ऐसा बदलाव आया है कि अब नेता सिर्फ पद और सत्ता चाहते हैं। इसीलिए जिस पार्टी की सत्ता होती है, वो उस पार्टी को ही अपनी विचारधारा बना लेते हैं और उधर ही चले जाते हैं। आजकल तो आलम ये है कि आज अगर नेता किसी पार्टी पर हमला बोल रहे हैं, उसकी विचारधारा को कोस रहे हैं। लेकिन अचानक कल वो नेता खुद उसी पार्टी का हिस्सा बन जाते हैं और अब वो अपनी ही पार्टी की विचारधारा पर सवाल उठाने लगते हैं। इसका जीता जागता उदाहरण तो नीतीश कुमार ही हैं। जो कभी खुद को समाजवादी विचारधारा का बताकर आरजेडी के साथ आ जाते हैं, तो कभी भाजपा को गाली देते-देते फिर भाजपा के ही पाले में चले जाते हैं। तो वहीं जो भाजपा महबूबा मुफ्ती और उनकी पार्टी पीडीपी को आतंकवादियों की पार्टी तक कहा करती थी, वो ही भाजपा उसी पीडीपी के साथ मिलकर सरकार बना लेती है। कई ऐसे पुराने कांग्रेसी व भाजपाई नेता भी रहे हैं जिन्होंने सिर्फ पद व सत्ता के लालच में अपनी विचारधारा और जमीर दोनों दांव पर रख दिए और पार्टी बदल ली। मतलब साफ है कि अब विचारधारा नहीं सिर्फ पद मायने रखता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आखिर क्या हो पारदर्शी चंदे का विकल्प

उमेश चतुर्वेदी

पांच साल पहले जिस चुनावी बॉन्ड को चुनावी फंडिंग में पारदर्शिता लाने और चुनावों में कालाधन के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए लाया गया था, देश की सबसे बड़ी अदालत ने उसे अवैधानिक घोषित करते हुए उस पर रोक लगा दी है। दरअसल, चुनावी बॉन्ड के विरोधियों को उसे लेकर सबसे बड़ी आपत्ति यह थी कि बॉन्ड के जरिए राजनीतिक दलों को दान देने वाले लोगों के नाम का खुलासा नहीं हो रहा था। वैसे चुनावी बॉन्ड की अधिसूचना इसके लिए दानदाता को अपनी गोपनीयता की सहूलियत देती थी। चुनावी बॉन्ड को देने वाले का नाम सूचना के अधिकार के दायरे से भी बाहर था। ऐसे में आरोप लगता था कि चुनावी बॉन्ड के जरिए राजनीतिक दलों को चंदा देने वाले राजनीतिक दल दरअसल बॉन्ड के रूप में रिश्वत दे रहे हैं और अपने कारोबारी या औद्योगिक हितों के लिहाज से बदले में सत्ताधारी दल से सहूलियती नीतियां बनवा रहे हैं।

गांधीजी ने स्वाधीनता आंदोलन के दौरान आम लोगों से चंदा लेने की शुरुआत की। हालांकि, उस दौर में भी बिरला और बजाज जैसे औद्योगिक घराने कांग्रेस के बड़े दानदाता थे। लेकिन आम लोगों से चंदा लेने के पीछे भावना यह थी कि लोग इसके जरिए आंदोलन से तो जुड़ेंगे ही, उनका नैतिक दबाव आंदोलन कर रही कांग्रेस पर भी रहेगा। इसलिए वह लोकविरोधी फैसले नहीं ले पाएगी। आजादी के बाद भी राजनीतिक दल आम लोगों के जरिए ही धन जुटाते थे। लेकिन जैसे-जैसे भारत में औद्योगीकरण बढ़ता गया, औद्योगिक घराने भी चुनावी चंदा देने में आगे रहने लगे। निश्चित तौर पर इसका सबसे ज्यादा फायदा सत्ताधारी दलों को ही हुआ। एक दौर में कांग्रेस को सबसे ज्यादा चुनावी चंदा मिलता रहा। कहा गया कि इसके जरिए सबसे ज्यादा दान भाजपा को मिला है। इसे आजादी के बाद से ही जारी परिपाटी का विस्तार कहा जा सकता है। 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' के मुताबिक विगत पांच वर्षों में चुनावी बॉन्ड के जरिए सबसे ज्यादा 6566 करोड़ का दान भाजपा को मिला है। दूसरे नंबर पर कांग्रेस है, जिसे एक हजार 123 करोड़ का दान मिला।

तीसरे नंबर पर तृणमूल कांग्रेस है, जिसे एक हजार 93 करोड़ की रकम मिली। वहीं 774 करोड़ रुपये बीजू जनता दल व डीएमके को 617 करोड़ मिले हैं। जाहिर है कि जिसके पास

जितनी सत्ता है, उसी अनुपात में उसे चंदा मिला है। निस्संदेह, चुनावी परिदृश्य में राजनीति शाहखर्ची का पेशा हो गया है। अकूत धन के बिना चुनाव लड़ना और राजनीतिक दल चलाना आसान नहीं है।

शायद इसीलिए अब चुनावी प्रचार अभियान के लिए मीडिया ने कार्पोरेट बांबिंग का विशेषण दिया है। जाहिर है कि यह खर्च कारोबारी और औद्योगिक घरानों से ही आ सकता है। आम लोग से मिलने वाले के चंदे या दान से राजनीति करना आज के दौर में मुश्किल है। यही वजह है कि चुनावों में काले धन का इस्तेमाल बढ़ा। चुनाव आयोग की तमाम सख्ती के बावजूद अब भी चुनावों में काले धन का भरपूर इस्तेमाल होता है। जाहिर है कि जो चुनावी चंदा देगा, वह अपने हित की बात तो करेगा ही। चुनावी बॉन्ड को खारिज किए जाने के बाद गैर-भाजपा दलों ने भाजपा को कटघरे में खड़े करने की कोशिश जरूर की है। लेकिन सवाल यह है कि क्या उनके हाथ पाक साफ हैं? सवाल यह भी है कि क्या वे अगर भाजपा की तरह प्रभावी होते और सत्ता में उनकी हनक होती तो क्या वे आम लोगों के चंदे के आधार पर ही अपनी राजनीति करते? अक्सर चुनावों की फंडिंग में अवैध धन के इस्तेमाल का आरोप लगता रहा है। इसे ही ट्रांसपरेंट बनाने के लिए साल 2017 में मोदी सरकार ने चुनावी बॉन्ड जारी करने का फैसला किया था। लेकिन इस योजना को 14 सितंबर, 2017 को सुप्रीम कोर्ट में चुनाव सुधारों की दिशा में काम करने वाले संगठन 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' ने सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी। इस याचिका पर तीन अक्टूबर, 2017 को देश की सबसे बड़ी अदालत ने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। इसी दिन जया ठाकुर और सीपीआई एम ने भी इस याचिका में खुद को शामिल करने की अर्जी लगाई।

इसी बीच 2 जनवरी, 2018 को केंद्र सरकार ने इस योजना को अधिसूचित करके लागू कर दिया। शुरू में बॉन्ड की बिक्री के लिए 70 दिनों की मियाद रखी गई थी। जिसे 7 नवंबर, 2022 को बढ़ाकर 85 दिन कर दिया गया। इस बीच 16 अक्तूबर, 2023 को मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने इस याचिका को पांच सदस्यीय संविधान पीठ को सुनवाई के लिए भेजा। इसके पंद्रह दिन बाद पीठ ने याचिका की सुनवाई की।

अब मध्यपूर्व में सांस्कृतिक कूटनीति का विस्तार

पुष्परंजन

प्रधानमंत्री मोदी के लिए अब नया टास्क सामने है, अरब देशों में हिंदू धर्म का विस्तार। आइडिया सुनकर चौंकिये नहीं। इसकी शुरुआत उन्होंने अबू धाबी से कर दी है। अब तक भारतीय उपमहाद्वीप में इस्लाम के विस्तार में सबसे अधिक दिलचस्पी सऊदी अरब की रही है, अब यह गंगा उल्टी बह रही है। विश्व हिंदू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वयं प्रधानमंत्री मोदी चुनाव के बाद इस भगीरथ प्रयास में लग जाएं, तो कुछ नया नैरेटिव गढ़ने की संभावना बनती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने विस्तार के वास्ते पूरे मिडिल ईस्ट में सबसे अधिक ध्यान यूएई में केंद्रित किया है।

पिछले कुछ वर्षों से सर संघ चालक मोहन भागवत यूएई बेस्ड एनएमसी ग्रुप ऑफ कंपनीज के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. बीआर शेट्टी के संपर्क में रहे हैं। जनवरी, 2016 में मोहन भागवत की मुलाकात बीआर शेट्टी से कोच्चि के अलुवा स्थित तंत्रा विद्यापीठम में कराई गई थी। इस मुलाकात का मूल उद्देश्य मिडिल ईस्ट में हिंदू धर्म का विस्तार करना था, जिसका अधिकेंद्र यूएई को बनाने की वजह वहां का सर्वधर्म समभाव वाला उदार कानून भी है। संघ प्रमुख मोहन भागवत यूएई के दूसरे बिजनेस टायकून सुधीर कुमार शेट्टी (प्रेसिडेंट यूएई एक्सचेंज), एन. बालाकृष्णा (चेयरमैन प्राकृति नेस्ट बिल्डर्स), अनिल पिल्लई (दुबई बेस्ड जेआर एयरोलिंक के एमडी), प्रमोद (यूएई एक्सचेंज के सीओओ), प्रशांत मंगत (एनएमसी ग्रुप के सीओओ) से समय-समय पर इस प्रोजेक्ट को खाद-पानी देने के वास्ते मिलते रहे। यूएई समेत मिडिल ईस्ट के देशों में मुश्किल यह है कि आप सार्वजनिक रूप से संघ की शाखा का आयोजन नहीं कर सकते। बंद कमरे में अपनी आस्था का विस्तार कीजिए, इतनी छूट कुछ देशों में है। सऊदी अरब में हिंदू धर्म तीसरा सबसे बड़ा धर्म है, देश की कुल आबादी का लगभग 1.3 प्रतिशत इसका अनुसरण करता है। वर्ष 2020 तक सऊदी अरब में लगभग 7 लाख 8,000 हिंदू रहते थे, जिनमें से अधिकांश भारतीय और नेपाली थे। सऊदी अरब में भारतीयों का बड़े पैमाने पर प्रवासन हुआ है, साथ ही हिंदुओं की संख्या में भी तेजी से वृद्धि देखी जा रही है। गल्फ देशों में भारतीय सबसे पहले ओमान में रहने आए, बस्तियां बनाईं और हिंदू धर्म का पालन किया।

ओमान की राजधानी मस्कट में हिंदू धर्म पहली बार 1507 में कच्छ से आया था। मूल हिंदू कच्छी बोलते थे। 19वीं सदी की शुरुआत तक ओमान में कम से कम 4,000 हिंदू थे। 1895 में मस्कट में हिंदू कॉलोनी पर इबादियों का हमला हुआ। 1900 आते-आते उनकी संख्या घटकर 300 रह गई थी। आजादी के समय तक ओमान में केवल कुछ दर्जन हिंदू ही बचे थे। अल-वलजत और अल-बानयान के ऐतिहासिक हिंदू क्वार्टरों पर अब हिंदुओं का कब्जा नहीं है। वो बीते दिनों की बात बनकर रह गये। सबसे आप्रवासियों में विसूमल दामोदर गांधी (औलाद कारा), खिमजी रामदास, धनजी मोरारजी, रतनसी पुरुषोत्तम और पुरुषोत्तम टोपरानी के खानदान वाले हैं। एकमात्र हिंदू श्मशान मस्कट के उत्तर-पश्चिम में सोहर में स्थित है।

वर्ष 2010 में पीईडब्ल्यू रिसर्च सेंटर ने अनुमान लगाया कि अमीरात की कुल आबादी का 76.9 प्रतिशत मुस्लिम, 12.6 प्रतिशत ईसाई, 6.6 प्रतिशत हिंदू और 2 प्रतिशत बौद्ध और बाड़ी अन्य धर्मावलंबी थे। वर्ष 2020 में बोस्टन विश्वविद्यालय के विश्व धर्म डेटाबेस के अनुसार, यूएई की जनसंख्या में लगभग 125,000 नास्तिक, 72,000 सिख और 49,000 बहाई शामिल हैं। पिछले 14 वर्षों में यह जनसंख्या कितनी बढ़ी है, इसका अपडेट नहीं आया है। वर्ष 2001 में बेल्जियम के स्पेलोलॉजिस्टों ने यमन के सोकोट्रा द्वीप पर बढ़ी संख्या में शिलालेख, चित्र और पुरातात्विक वस्तुओं की खोज की, जो नाविकों द्वारा छोड़े गए थे। उससे पता चला कि ईसा पूर्व पहली शताब्दी से छठी शताब्दी तक भारतवंशियों ने इस द्वीप का दौरा किया था। उस समय जो ग्रंथ पाए गए, अधिकांश ब्राह्मी लिपि में लिखे गए थे। इतिहास के पन्ने बताते हैं कि 6वीं शताब्दी में अरब व्यापारी केरल में बस गए थे। मध्ययुगीन गुजरातियों, कच्छियों, आंध्र, तमिल, कर्नाटक के व्यापारियों ने अरब व सोमाली बंदरगाहों के साथ बड़े पैमाने पर व्यापार किया, जिनमें होर्मुज, सलालाह, सोकोत्रा, मोगादिशु, मर्का, बरवा, होब्यो, मस्कट और अदन शामिल थे। ब्रिटिश साम्राज्य के कालखंड में सेना या सिविल सेवा में कई भारतीय सूडान जैसे अरब देशों में तैनात थे।

दुर्भाग्यवश 1970 के बाद मबाद अल बनयान और बेयत अल पीर में स्थित हिंदू मंदिर दिखे नहीं। आज एकमात्र सक्रिय हिंदू मंदिर मस्कट में शिव मंदिर परिसर (जिसे स्थानीय रूप से मोतीश्वर मंदिर के रूप में जाना जाता है), और दरसैट में स्थित कृष्ण मंदिर हैं। संयुक्त अरब अमीरात के तीन सबसे बड़े शहर- अबू धाबी, दुबई और शारजाह भारतीय आप्रवासियों के गढ़ हैं। अनुमानित 20 लाख भारतीय प्रवासियों में से 10 लाख केरल से, और लगभग साढ़े चार लाख तमिलनाडु से हैं, बाकी अन्य प्रांतों से हैं।

यह कहना गलत और भ्रामक है कि 2024 में पहली बार यूएई में हिंदू मंदिर का उद्घाटन हुआ। बल्कि, यह कह सकते हैं कि अबू धाबी स्थित बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण (बीएपीएस संस्था) का संयुक्त अरब अमीरात में पहला हिंदू मंदिर है। जुलाई, 2013 में टाइम्स ऑफ इंडिया ने 'बीएपीएस' के एक सूत्र के हवाले से जानकारी दी कि एक मुस्लिम व्यवसायी ने अबू धाबी में बीएपीएस मंदिर निर्माण के लिए पांच एकड़ जमीन दान में दी थी।

केला

केले में पोटैशियम की मात्रा अधिक होती है, जो हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने और हृदय रोग के खतरे को कम करने में मदद करता है। पोटैशियम शरीर में तरल पदार्थ के स्तर को बनाए रखने में मदद करता है और कोशिकाओं के अंदर और बाहर पोषक तत्वों और अपशिष्ट उत्पादों की गति को नियंत्रित करता है। इनमें घुलनशील फाइबर भी होता है, जो एलडीएल कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद कर सकता है। यह दिल की धड़कन को नियमित रखता है और रक्तचाप पर सोडियम के प्रभाव को कम कर सकता है।

खट्टे फल

संतरे, नींबू और नीबू जैसे खट्टे फल घुलनशील फाइबर और फ्लेवोनोइड से भरे होते हैं। ये यौगिक एलडीएल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने और हृदय स्वास्थ्य में सुधार करने का काम करते हैं। स्वाद और स्वास्थ्य की दृष्टि से सिट्रस फल खास माने जाते हैं। यही वजह है कि विश्व भर में इनकी मांग ज्यादा है और इनकी खेती बड़े स्तर पर की जाती है। ये फल शरीर को आंतरिक और बाहरी रूप से स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं।

बेरीज

स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी, रास्पबेरी और ब्लैकबेरी जैसे बेरीज एंटीऑक्सिडेंट और घुलनशील फाइबर से भरपूर होते हैं। इनके नियमित सेवन से एलडीएल कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने और दिल के स्वास्थ्य में सुधार करने में हेल्प मिल सकती है।

गंदा कोलेस्ट्रॉल

जड़ से उखाड़ देंगे ये फल

दिल को स्वस्थ रखने और दिल की बीमारियों से बचने के लिए खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल कोलेस्ट्रॉल) के लेवल को कम करना जरूरी है। खराब कोलेस्ट्रॉल रक्त वाहिकाओं में जमा होकर उन्हें ब्लॉक कर सकता है जिससे ब्लड फ्लो धीमा हो सकता है। ऐसा होने से आपको हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के वैसे तो कोई खास लक्षण नहीं हैं लेकिन अधिकतर मामलों में उस समय लक्षण महसूस होते हैं, जब इसका लेवल हद से ज्यादा बढ़ चुका होता है और आपको पेरीफेरल आर्टरी डिजीज, स्ट्रोक, हाई बीपी, टाइप 2 डायबिटीज जैसे समस्याएं हो सकती हैं। बेहतर है आप इनके लक्षणों पर नजर रखें। डाइट में कुछ फलों को शामिल करने से बैड कोलेस्ट्रॉल को नैचुरली कम करने में मदद मिल सकती है। इसे साफ करने के लिए कुछ सीजनल फ्रूट्स खाकर गंदा कोलेस्ट्रॉल कम करके दिल को स्वस्थ रख सकते हैं।

एवोकाडो

एवोकाडो मोनोअनसैचुरेटेड फैट से भरपूर होता है, जो एचडीएल (अच्छे) कोलेस्ट्रॉल के लेवल को बढ़ाते हुए एलडीएल कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद कर सकता है। इनमें बीटा-सिटोस्टेरॉल भी होता है, जोकि एक ऐसा यौगिक जो भोजन से कोलेस्ट्रॉल के अवशोषण को कम करने में मदद करता है।

डाइट में इन फलों को भी करें शामिल

अंगूर में पॉलीफेनोल्स नामक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो एलडीएल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम कर सकते हैं, अनार पॉलीफेनोल्स और एंथोसायनिन सहित एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जो एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करता है, कीवी में फाइबर, विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो दिल को स्वस्थ रखते हैं, नाशपाती घुलनशील फाइबर का एक उत्कृष्ट स्रोत है, जो एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करता है, चेरी में एंथोसायनिन नामक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो एलडीएल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने और शरीर में सूजन को कम करते हैं।

सेब

सेब में घुलनशील फाइबर, विशेष रूप से पेक्टिन होते हैं, जो एलडीएल कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद करते हैं। दिन में एक या दो सेब खाने से आपको कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद मिल सकती है। सेब को छील कर नहीं खाना चाहिए। सुबह हो सके तो इसे बिना काटे और ऐसे ही प्राकृतिक रूप में खाएं। सेब के छिलके में ही पेक्टिन पाया जाता है और अगर छिलका उतार दिया जाए, तो पूरे लाभ नहीं मिल पाएंगे। साथ ही सेब को शाम के समय या फिर सोते समय भी नहीं खाना चाहिए। ऐसा करने से यह पाचन में लाभ नहीं पहुंचा पाती है और कुछ नुकसान भी देखने को मिल सकते हैं। सुबह सेब खाने से पाचन भी दुरुस्त होती है और बाउल गतिविधियों को सही ढंग से हो पाने में मदद मिलती है।

हंसना मना है

पति बाल कटवाकर घर आया। पति: देखो, मैं तुमसे दस साल छोटा लगता हूं कि नहीं? पत्नी: मुंडन करवा लेते तो लगता जैसे अभी पैदा हुए हो।

पप्पू की वाइफ रोमांटिक मूड में थी, पूरे बैड पर बांहे फैला कर लेट गयी, और पप्पू से बोली कुछ समझे? पप्पू: समझ गया आज तू पूरे बैड पर सोना चाहती है न डायन।

अपने ससुर जी की दुलारी हूं मैं, अपने Hubby की भी प्यारी हूं मैं, फिलहाल तो ये सब सपना है, क्यों की अभी तक कुवारी हूं मैं!

अगर आपका बेटा हैलो हैलो करते हुए, रूम से बाहर निकल जाए, तो समझ जाना की, आपकी होने वाली बहु का फोन है!

एलकेजी के बच्चे के पेपर में 0 आया। गुस्से से पिता: यह क्या है? बच्चा: पिताजी, शिक्षक के पास स्टार खत्म हो गए थे, इसलिये उसने मून दे दिया।

एक इंसान (दूसरे इंसान से)-आ जाओ, कुत्ते से डरो नहीं। पहला व्यक्ति-'क्यों, आपका कुत्ता काटता नहीं? दूसरा व्यक्ति-यही देखने के लिए तो आपको बुलाया है।

कहानी | भेड़िया आया

एक गांव में एक चरवाहा रहा करता था। उसके पास कई सारी भेड़ थीं, जिन्हें हर रोज सुबह वह भेड़ों को जंगल ले जाता और शाम तक वापस घर लौट आता। पूरा दिन भेड़ घास चरतीं और चरवाहा बैठा-बैठा ऊबता रहता। इस वजह से वह हर रोज खुद का मनोरंजन करने के नए नए तरीके ढूंढ़ता रहता था। एक दिन उसे एक नई शरारत सूझी। उसने सोचा, क्यों न इस बार मनोरंजन गांव वालों के साथ किया जाए। यही सोच कर उसने जोर-जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया बचाओ-बचाओ भेड़िया आया, भेड़िया आया। उसकी आवाज सुन कर गांव वालें लाठी और डंडे लेकर दौड़ते हुए उसकी मदद करने आए। जैसे ही गांव वालें वहां पहुंचे, उन्होंने देखा कि वहां कोई भेड़िया नहीं है और चरवाहा पेट पकड़ कर हंस रहा था। मैं तो मजाक कर रहा था। उसकी ये बातें सुन कर गांव वालों का चेहरा गुस्से से लाल-पीला होने लगा। एक आदमी ने कहा कि हम सब अपना काम छोड़ कर, तुम्हें बचाने आए हैं और तुम हंस रहे हो? कुछ दिन बीतने के बाद, गांव वालों ने फिर से चरवाहे की आवाज सुनी। बचाओ बचाओ भेड़िया आया, बचाओ। यह सुनते ही, वो फिर से चरवाहे की मदद करने के लिए दौड़ पड़े। वो देखते हैं कि चरवाहा गांव वालों की तरफ देख कर जोर-जोर से हंस रहा है। इस बार गांव वालों ने चरवाहे को खूब खरी-खोटी सुनाई, लेकिन चरवाहे को अक्ल न आई। अब गांव वालों ने चरवाहे की बात पर भरोसा करना बंद कर दिया था। एक दिन गांव वाले अपने खेतों में काम कर रहे थे और उन्हें फिर से चरवाहे के चिल्लाने की आवाज आई। बचाओ बचाओ भेड़िया आया, भेड़िया आया बचाओ, लेकिन इस बार किसी ने भी उसकी बात पर गौर नहीं किया। सभी आपस में कहने लगे कि इसका तो काम ही है दिन भर यूं मजाक करना। चरवाहा लगातार चिल्ला रहा था, अरे कोई तो आओ, मेरी मदद करो, इस भेड़िए को भगाओ, लेकिन इस बार कोई भी उसकी मदद करने वहां नहीं पहुंचा। चरवाहा चिल्लाता रहा, लेकिन गांव वालें नहीं आए और भेड़िया एक-एक करके उसकी सारी भेड़ों को खा गया। यह सब देख चरवाहा रोने लगा। जब बहुत रात तक चरवाहा घर नहीं आया, तो गांव वाले उसे ढूंढते हुए जंगल पहुंचे। वहां पहुंच कर उन्होंने देखा कि चरवाहा पेड़ पर बैठा रो रहा था। गांव वालों ने किसी तरह चरवाहे को पेड़ से उतारा। उस दिन चरवाहे की जान तो बच गई, लेकिन उसकी प्यारी भेड़ें भेड़िए का शिकार बन चुकी थीं। चरवाहे को अपनी गलती का एहसास हो गया था और उसने गांव वालों से माफी मांगी। चरवाहा बोला मुझे माफ कर दो भाइयों, मैंने झूठ बोल कर बहुत बड़ी गलती कर दी। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा, सावधानी रखें। बुरी खबर मिल सकती है। भागदौड़ अधिक रहेगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। मेहनत अधिक होगी।

वृषभ

सामाजिक कार्य करने का मन लगेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मिथुन

पुरानी संगी-साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। आत्मसम्मान बना रहेगा।

कर्क

बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा।

सिंह

दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। फालतू खर्च पर नियंत्रण नहीं रहेगा। हल्की मजाक करने से बचें। अपेक्षित काम में विलंब होगा। बेकार की बातों पर ध्यान न दें।

कन्या

यात्रा लाभदायक रहेगी। संतान पक्ष से बुरी खबर मिल सकती है। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। रोमांस में सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा।

तुला

सामाजिक कार्य करने में मन लगेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक

चोट व रोग से कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा।

धनु

चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है।

मकर

यात्रा लाभदायक रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। सरकारी कामों में सहूलियत होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर में सुख-शांति रहेंगे।

कुम्भ

ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

मीन

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। आनंद के साथ समय व्यतीत होगा। मनपसंद व्यंजनों का लाभ मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

महिलाएं ग्लैमर तक सीमित न रहकर प्रभावशाली भूमिका निभा रही हैं : एमी जैक्सन

एमी जैक्सन अपनी अपकमिंग फिल्म क्रैक में सख्त पुलिस अफसर का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि एक्शन फिल्मों में महिलाओं का विकास प्रेरणादायक है, क्योंकि उन्हें सिर्फ ग्लैमर तक सीमित नहीं रखा गया है। एमी जैक्सन ने एक इंटरव्यू में कहा, एक्शन फिल्मों में महिलाओं का विकास सशक्त है। यह देखना प्रेरणादायक है कि अब एक्ट्रेस केवल ग्लैमर तक सीमित न रहकर मजबूत, प्रभावशाली भूमिकाएं निभा रही हैं। 2010 में तमिल फिल्म मद्रासपट्टिनम से अपनी शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस ने कहा कि महिलाएं पर्दे पर पुरुष अभिनेताओं के बराबर प्रतिनिधित्व करना चाहती हैं। उन्होंने कहा, सभी उम्र की महिलाएं स्क्रीन पर प्रतिनिधित्व महसूस करना चाहती हैं और एक एक्ट्रेस को भूमिका निभाते हुए देखना चाहती हैं, क्योंकि सिनेमा में समानता के लिए आकर्षक होना महत्वपूर्ण है। आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित अपकमिंग फिल्म में एमी अपने को-स्टार्स विद्युत जामवाल, अर्जुन रामपाल और नोरा फतेही के साथ स्टंट करती नजर आएंगी। जोखिम को देखते हुए एक एक्टर के लिए किसी भूमिका में कितना निवेश करना बहुत अधिक है? इस पर उन्होंने कहा, किसी भूमिका में स्पोर्ट्स और स्टंट के बैलेंस बनाए रखना जरूरी है। सुरक्षा को प्राथमिकता देना और सीमाओं का ध्यान रखना जरूरी है। विद्युत जामवाल जैसे अनुभवी एक्टर के साथ सहयोग करना पूरे अनुभव को बेहतर बनाता है। एक्शन कोरियोग्राफी को अंजाम देने में उनकी अद्वितीय विशेषज्ञता न केवल निर्देशक और कहानी में विश्वास पैदा करती है, बल्कि अभिनेताओं को अपने स्टंट खुद अपनाने के लिए भी सशक्त बनाती है। एमी के लिए विद्युत के साथ काम करना एक अच्छा अनुभव था। उन्होंने कहा, ऐसे उस्ताद के साथ काम करना न केवल सेफ लगता है बल्कि मुझे एक अभूतपूर्व कोरियोग्राफर के मार्गदर्शन में रोमांच में डुबो देता है।

लाहौर 1947 में अभिमन्यु सिंह से टकराएंगे सनी देओल

सनी देओल इन दिनों सुर्खियों में हैं। साल 2023 में फिल्म गदर 2 से धमाकेदार वापसी करने के बाद अभिनेता अब अपनी अलगी फिल्म लाहौर 1947 की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में सनी देओल के अलावा प्रीति जिंटा अहम भूमिका में दिखाई देने वाली हैं। वहीं, हर दिन फिल्म से जुड़ी कोई न कोई खबर मीडिया में आती ही रहती हैं। अब सूत्रों की मानें तो लाहौर 1947 फिल्म में सनी से मुकाबला करने के लिए विलेन की खोज पूरी हो चुकी है।

अभिनेता सनी देओल और निर्देशक राजकुमार संतोषी एक बार फिर से एक साथ काम करने जा रहे हैं। दर्शकों में अभी से इस फिल्म को लेकर काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। सनी के फैंस भी लाहौर 1947 से जुड़ी हर खबर पर नजरें टिकाए हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सनी देओल का मुकाबला इस फिल्म में अभिनेता अभिमन्यु सिंह से होने वाला है। अभिमन्यु सिंह बॉलीवुड में निगेटिव किरदार निभाने के लिए मशहूर हैं और इस फिल्म में भी वे विलेन की भूमिका में दिखाई देने वाले हैं।

निर्देशक राजकुमार संतोषी इस फिल्म का निर्माण काफी बड़े पैमाने पर कर रहे हैं। इस फिल्म के लिए उन्होंने सनी देओल के साथ प्रीति जिंटा, शबाना आजमी और धर्मेंद्र जैसे मंझे कलाकारों को चुना है। गौरतलब है कि सनी देओल पहली बार इस फिल्म में शबाना आजमी के साथ काम करते नजर आने वाले हैं। सनी देओल लाहौर 1947 से पहले भी राजकुमार संतोषी के साथ कई फिल्में कर चुके हैं।

सोशल मीडिया से ब्रेक लेंगी रानी चटर्जी

भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी अपनी फिल्मों के दम पर भोजपुरी सिनेमा में खूब धमाल मचा रही हैं। जहां वह एक के बाद एक कई फिल्मों के लिए कास्ट की जा रही हैं, वहीं एक्ट्रेस अपने चाहने वालों के साथ जुड़ी रहने के लिए सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। लगभग हर दिन एक्ट्रेस अपने चाहने वालों के साथ अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की झलक दिखाते हुए कई पोस्ट भी शेयर करती रहती हैं। ऐसे में अब फैंस को उनकी नई फोटोज का बेसब्री से इंतजार रहने लगा है। इसी बीच अब रानी ने फैंस को एक बड़ा झटका दे दिया है।

भोजपुरी | मसाला

दरअसल, रानी चटर्जी ने ऐलान किया है कि वह सोशल मीडिया पर से ब्रेक ले रही हैं। इस बात की जानकारी देते हुए एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक पोस्ट भी शेयर किया है। उन्होंने अपने इस पोस्ट बताया है कि वह कुछ समय के समय के लिए सोशल मीडिया से दूरियां बना रही हैं।

रानी ने पोस्ट में लिखा, मैं आप सभी को बताना चाहती हूं कि मैं कुछ दिनों के लिए ब्रेक ले रही हूं। इसका कारण है कि मैं काफी बोर हो चुकी हूं और मुझे लग रहा है कि मुझे सोशल मीडिया पर बने रहने की अपनी इस रोज की आदज को बदलना जरूरी है। मैं बहुत जल्द वापस आऊंगी जब मेरा मन करेगा। मैं आप सभी को बहुत मिस करूंगी। मैं अब बस कुछ दिनों के लिए गायब होना चाहती हूं। अब रानी का ये पोस्ट तेजी से उनके चाहने वालों के बीच वायरल हो गया है। जहां एक ओर रानी के फैंस का दिल उनके इस फैसले से टूट गया है, वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्होंने कमेंट्स कर रानी को कुछ दिन आराम करने के लिए कहा है। एक यूजर ने कमेंट में लिखा, आराम करो और जल्दी वापस आओ।

अजब-गजब | तेलंगाना के नलगोंडा में प्रतिदिन होता है राष्ट्रगान

हर रोज 52 सेकंड के लिए थम जाता है शहर

भारत में कई शहर हैं, जिनकी अपनी खूबियां हैं, जो हमें लुभाती हैं। इसी तरह का एक शहर है, जो अनोखी वजह से देशवासियों के आकर्षण का केंद्र बनता है। आप भी जब इसके बारे में जानेंगे तो चकित रह जाएंगे। दुनिया के हर देश का अपना राष्ट्रगान होता है। भारत का भी राष्ट्रगान है, जिसे सुनने के बाद हम सभी के रोंगटे खड़े हो जाते हैं और देशभक्ति का एहसास होता है। भारत के राष्ट्रगान को गाने की कुल अवधि 52 सेकंड है।

आप सोच रहे होंगे कि मैं राष्ट्रगान की चर्चा कहां से ले आया। दरअसल, इस शहर में हर सुबह राष्ट्रगान बजाया जाता है। और जैसे ही राष्ट्रगान शुरू होता है, शहर का हर शख्स, जो जहां पर है, वहीं 52 सेकंड के लिए रुक जाता है। बुत बनकर खड़ा हो जाता है। यह शहर तेलंगाना का नलगोंडा है, जहां हर सुबह आठ बजे लाउड स्पीकर पर राष्ट्रगान बजाया जाता है और पूरा शहर 52 सेकंड के लिए थम जाता है। इस शहर में बच्चों से लेकर बूढ़ों तक सभी राष्ट्रगान गाते हैं।

आप जानकर हैरान होंगे कि शहर के अलग-अलग हिस्सों में 12 बड़े लाउड स्पीकर लगाए गए हैं, ताकि आसपास रहने वाले लोग राष्ट्रगान सुन सकें और अपना काम छोड़कर खड़े होकर राष्ट्रगान गा सकें। मालूम हो कि आने वाले दिनों में शहर के अन्य हिस्सों में भी लाउडस्पीकर लगाने की योजना चल रही है। उद्यमियों का दावा है कि उनका मकसद है कि हर दिन राष्ट्रगान का सम्मान हो। सबसे पहले यह जम्मीकुंट नामक स्थान से प्रतिदिन राष्ट्रगान बजाया जाता था। इससे प्रेरित होकर नलगोंडा की जनगणमन उत्सव समिति ने यह शुरू किया। इसका पहली बार परीक्षण जनवरी 2021 में किया गया था। मामला जानने के बाद स्थानीय अधिकारियों ने इस समिति की पहल की सराहना की। जब शहर में राष्ट्रगान बजता है तो समिति के कार्यकर्ता शहर के अलग-अलग हिस्सों में तिरंगे के साथ खड़े हो जाते हैं। जब राष्ट्रगान बजता है, तो यह शहरवासियों के लिए एक रोमांचकारी क्षण होता है। आमतौर पर हम गणतंत्र दिवस या स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगे को सलाम करते समय राष्ट्रगान गाते हैं लेकिन ऐसी स्थिति यहां रोज होती है। लोग तिरंगे को सलाम करते नजर आते हैं। सोशल मीडिया पर अक्सर इसकी तस्वीर शेयर की जाती है। अगर आप पहली बार यहां गए हैं और इसके बारे में मालूम नहीं है, तो निश्चित तौर पर आप भी चौंक जाएंगे। लेकिन यह परंपरा बीते 2 साल से चली आ रही है। लोग इसका बखूबी पालन करते हैं। यहां तक कि रोड पर वाहन चलने बंद हो जाते हैं।

नई दुल्हन पैर से खिसकाकर देती है थाली तो सिर माथे से लगाकर खाना खाता है दूल्हा

भारत के बारे में कहा जाता है, 'कोस कोस पर बदले पानी, चार कोस पर वाणी' यानी देश में हर एक कोस पर पानी और हर चार कोस पर वाणी बदल जाती है। इसी तरह देश के अलग-अलग राज्यों में ही नहीं, बल्कि हर राज्य के अंदर भी शादी-ब्याह में अलग-अलग परंपराएं नजर आती हैं। कई बार तो एक ही क्षेत्र में लोगों के संस्कार और रीति-रिवाज बिलकुल अलग होते हैं। इनमें कुछ रस्में काफी अजीब दिखाई देती हैं। इन अलग-अलग रीति-रिवाजों से समुदायों की अपनी अलग पहचान बनती है। ऐसा ही एक जनजातीय समुदाय 'थारू' है। इस जनजाति के लोग हिंदू धर्म को मानते हैं। वे हिंदुओं के सभी त्योहारों को भी मनाते हैं। इनकी शादियों में भी ज्यादा हिंदू परंपराओं को निभाया जाता है।

थारू जनजाति की शादियों में एक रस्म ऐसी है, जो इनको बाकी समुदायों से अलग करती है। यहां महिलाओं को पुरुषों से ऊंचा दर्जा दिया जाता है। थारू जनजाति में नई दुल्हन जब पहली बार रसोई में खाना बनाती है तो पति को हाथ के बजाय पैर से खिसकाकर थाली देती है। इसके बाद दुल्हा थाली को सिर माथे लगाकर खाना खाता है। माना जाता है कि थारू जनजाति राजपूत मूल की थी। लेकिन, कुछ कारणों से वे थार रेगिस्तान को पार करके नेपाल चले गए। आजकल थारू समुदाय के लोग भारत के उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और पड़ोसी देश नेपाल में रहते हैं। भारत में बिहार के चंपारन, उत्तराखंड के नैनीताल व ऊधम सिंह नगर और उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में थारू समुदाय के लोग खूब पाए जाते हैं। थारू जनजाति उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में उधम सिंह नगर के खटीमा, किच्छा, नानकमत्ता, सितारगंज के 141 गांव में रहने वाली जनजाति है। वहीं, नेपाल की कुल आबादी में 6.6 फीसदी लोग थारू समुदाय के हैं। थारू समुदाय के लोग बिहार और नेपाल की सीमा पर पहाड़ों-नदियों व जंगलों से घिरे इलाकों में रहते हैं। पहाड़ों और जंगलो में बसने वाले थारुओं में वो संस्कृति और संस्कार आज भी देखने को मिलते हैं, जिनके लिए ये जनजाति जानी जाती है।

राम-वाम-श्याम आपस में मिले हुए हैं : ममता

» टीएमसी प्रमुख ने भाजपा, वामपंथी और कांग्रेस पर बोला हमला

» कहा- संदेशखाली मामले में हमने अपने नेताओं पर की कार्रवाई

» बीजेपी सिर्फ अराजकता फैलाती है और माहौल खराब करती है

» भाजपा महिला, बंगाल, किसान व दलित विरोधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली को लेकर उठे विवाद पर सत्ता और विपक्ष आमने-सामने हो गए हैं। कांग्रेस समेत तमाम राजनीतिक दलों ने पश्चिम बंगाल सरकार पर तीखा हमला करते हुए राज्य में कानून व्यवस्था ध्वस्त होने का आरोप लगाया है। इस बीच, अब सूबे की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला है। ममता बनर्जी ने भाजपा पर 24 उत्तरी परगना जिले के संदेशखाली इलाके में अशांति फैलाने का आरोप लगाया है।

ममता ने कहा कि हमने टीएमसी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की, लेकिन भाजपा का नेतृत्व कभी भी अपने दोषी कार्यकर्ताओं और नेताओं पर कार्रवाई नहीं करता है। साथ ही राजनीतिक कटाक्ष करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा, वामपंथी और कांग्रेस (राम, वाम, श्याम) एक-दूसरे से मिले हुए हैं। संदेशखाली में विपक्षी नेताओं के दौरे के बीच ममता बनर्जी ने कहा कि हम हमेशा से राज्य में कुछ भी अलग होने पर कड़ी कार्रवाई करते हैं, चाहे उनमें हमारे नेताओं भी क्यों न शामिल हो। भाजपा संदेशखाली की घटना के जरिए राज्य को अशांत करने की कोशिश कर रही है। अगर कोई आरोप है, तो हम कार्रवाई करेंगे। मैंने पुलिस से मामले पर संज्ञान लेने को कहा है। हमारे ब्लॉक अध्यक्ष को गिरफ्तार कर लिया गया है। मेरा एक ही सवाल है कि घटना के बाद से ही टीएमसी नेताओं पर हमने ताबड़तोड़ कार्रवाई की, लेकिन क्या कभी भाजपा ने ऐसा किया है। भाजपा पूरी तरह से महिला, बंगाल, किसान,दलित विरोधी है।

हमारे खिलाफ ईडी-सीबीआई का हो रहा इस्तेमाल

केंद्र पर हमला करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि वे हमारे खिलाफ ईडी, सीबीआई का इस्तेमाल करते हैं। ध्यान रखें हमें चुनाव लड़ने और अपनी राय रखने का पूरा अधिकार है। पहले मुझे वामपंथियों की यातनाओं का सामना करना पड़ा और अब भाजपा हमें प्रताड़ित कर रही है। राम-वाम-श्याम (भाजपा, लेफ्ट, कांग्रेस) एक-दूसरे के साथ मिल गए हैं। किसानों के प्रदर्शन पर बोलते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि पंजाब और दिल्ली में किसानों का विरोध हो रहा है। भाजपा हर जगह अराजकता पैदा करती है। यहां तक कि देश के कई समुदायों को आपस में लड़ाया जा रहा है। हम किसानों को अन्नदाता कहते हैं। लेकिन आप देखिए भाजपा उनके साथ कैसा व्यवहार कर रही है। इस बीच, ममता बनर्जी ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा एनआरसी और सीएए को लागू करने की साजिश रची जा रही है। मैं आप सभी से कहना चाहती हूं कि आप सभी सतर्क रहें, वे हमारे साथ खेल रहे हैं।

जानबूझकर हमारे नेताओं को जेल में डाला जा रहा

बीरभूम जिले के सूरी में राज्य सरकार द्वारा आयोजित एक सार्वजनिक वितरण कार्यक्रम में बोलते हुए ममता बनर्जी ने भाजपा पर आरोपों की झड़ी लगा दी। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) का इस्तेमाल किया जा रहा है। हमारे नेताओं जानबूझकर सलाखों के पीछे डाला जा रहा है। 1975-77 के आपातकाल का जिक्र करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि 2,000 से अधिक लोगों को जेल में डालने के बाद भी प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी चुनाव नहीं जीत सकीं। आज भी, अगर कोई लोगों को धमकाकर, सीबीआई, ईडी और चुनाव आयोग का इस्तेमाल करके और लोगों को जेल में डालकर यही बात सोचता है, तो मैं कहूंगी कि हमें भी इसका विरोध करने का अधिकार है।

धार्मिक समारोहों में पुजारी बन रहे संवैधानिक पदों पर बैठे लोग: विजयन

» केरल सीएम ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

» बोले- भारत को धार्मिक राष्ट्र में बदलने का किया जा रहा प्रयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनन्तपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने भारत को एक धार्मिक राष्ट्र में बदलने के कथित प्रयासों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने केंद्र में सत्ता में बैठे लोगों पर धार्मिक संस्थानों और सरकार के बीच की रेखाओं को धुंधला करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। सीएम विजयन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र किए बिना कहा कि आजकल संवैधानिक पदों पर बैठे लोग धार्मिक समारोहों में पुजारी बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने हाल में अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का स्पष्ट रूप से जिक्र करते हुए यह बात कही, जिसमें पीएम मोदी यजमान थे। सीएम विजयन ने मलप्पुरम के करीपुर में 10वें मुजाहिद राज्य सम्मेलन के समापन सत्र के दौरान कहा कि भारत को एक धार्मिक राष्ट्र में बदलने का प्रयास किया जा रहा है। यह बहुत चिंताजनक है।

धर्म और सरकार के बीच की रेखाओं को धुंधला करने की कोशिश

पिनराई विजयन ने केरल के भी कुछ नेताओं के इस तरह की घटनाओं को उचित ठहराने के प्रयासों पर चिंता व्यक्त की। सीएम विजयन ने कहा कि इस समय भारत में जो लोग सत्ता में हैं, वे धर्म और सरकार के बीच की रेखाओं को धुंधला करने का प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने केंद्र पर अल्पसंख्यक समुदायों के लिए बनाई गई परियोजनाओं को नुकसान पहुंचाने का भी आरोप लगाया। इससे पहले केरल की पिनराई विजयन सरकार ने कहा कि वह राज्यभर में राशन की दुकानों पर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के लोगों के साथ पीएम मोदी की तस्वीरों वाले साइनबोर्ड और प्लेक्स-बैनर लगाने के केंद्र सरकार के निर्देश का पालन नहीं करेगी। पिनराई विजयन ने कहा कि यह अभियान ऐसे समय में चलाया गया है जब (देश में) लोकसभा चुनाव नजदीक है और स्पष्ट है कि यह उनके (बीजेपी के) चुनाव अभियान का हिस्सा है।

कर्नाटक में जीतेगी 20 से ज्यादा सीटें कांग्रेस : सिद्धारमैया

» भाजपा के बड़ी जीत के दावे को किया खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मांड्या। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का दावा है कि लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस पार्टी राज्य में कम से कम 20 सीटें जीतेगी। कर्नाटक में कुल 28 लोकसभा सीटें हैं। इस बार राज्य में कांग्रेस सत्ता में भी है।

सिद्धारमैया ने बीजेपी के ज्यादा सीटें जीतने के दावे को खारिज किया। मांड्या में सिद्धारमैया ने कहा कि इस बार हम कम से कम 20 सीटें जीतने की तैयारी कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी 28 सीटें जीतने का खोखला दावा कर रही है। उन्हें पता चल चुका है कि इस बार कर्नाटक के लोग कांग्रेस को आशीर्वाद देंगे। बीजेपी-जेडीएस के गठबंधन पर सिद्धारमैया ने कहा कि इस बार हमारे सामने सिर्फ एक विपक्षी दल है।

ओवैसी ने इशारों-इशारों में कांग्रेस को बताया भाजपा की 'बी' टीम

» अशोक चव्हाण के बीजेपी में शामिल होने पर कांग्रेस पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अकोला। लोकसभा चुनाव करीब आते ही नेताओं का पाला बदलने का खेल लगातार जारी है। कई नेता एक दल से कूदकर दूसरे दल में जा रहे हैं। इसी क्रम में अभी कुछ दिन पहले महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक चव्हाण भी कांग्रेस का हाथ छोड़कर भाजपा का कमल थाम चुके हैं।

अब अशोक चव्हाण के पार्टी छोड़ने पर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। ओवैसी का कहना है कि कांग्रेस नेता अशोक का भाजपा में शामिल होना यह बताता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की असली टीम और भाजपा की 'बी' टीम कौन है।

हमें धर्मनिरपेक्षता के नाम पर डराया जा रहा

आरएसएस पर निशाना साधते हुए ओवैसी ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज मुस्लिम विरोधी नहीं थे, लेकिन संघ उन्हें इस्लाम विरोधी के रूप में चित्रित करने की कोशिश करता है। उन्होंने संबोधन में पूछा कि अशोक चव्हाण ने भाजपा में शामिल होने के लिए कांग्रेस छोड़ दी। मैंने सुना है कि कमलनाथ भी ऐसा कर सकते हैं। एआईएमआईएम को एक समय भाजपा की बी टीम कहा जाता था। अब मुझे बताएं कि आरएसएस की असली टीम कौन है? भाजपा की असली टीम कौन है? सांसद ने कटाक्ष करते हुए कहा कि हमें अपने समाज के उन सांपों को पहचानना चाहिए जो धर्मनिरपेक्षता के नाम पर हमें डरा रहे हैं।

सांसद ओवैसी ने महाराष्ट्र के अकोला शहर में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए कांग्रेस के दिग्गज नेता कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने की अटकलों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत में मुसलमान मस्जिदों की रक्षा करने के लिए कर्तव्यबद्ध हैं और उन्हें सोचना चाहिए कि बाबरी मस्जिद अभी भी मौजूद है।

अजित पवार पर भी साधा निशाना

इसके बाद ओवैसी ने राकांपा नेता और उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर भी निशाना साधा। उन्होंने पूछा, मैंने सुना है कि अजित पवार अपनी पत्नी को अपनी बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ मैदान में उतार रहे हैं। महाराष्ट्र की राजनीति में क्या हो रहा है?

यशस्वी-जडेजा ने अंग्रेजों को चटाई धूल

» इंग्लैंड को 434 रनों से हराकर भारत ने दर्ज की टेस्ट की सबसे बड़ी जीत

» जडेजा के पंजे के आगे ध्वस्त हुए इंग्लिश बल्लेबाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजकोट। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट टेस्ट मैच में 434 रनों की बड़ी जीत हासिल कर इतिहास रच दिया। टेस्ट इतिहास में रनों के लिहाज से भारतीय टीम की यह सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसकी सबसे बड़ी जीत दिसंबर 2021 में आई थी। तब भारत ने न्यूजीलैंड को वानखेड़े टेस्ट मैच में 372 रनों से हराया था। इंग्लैंड के खिलाफ इस मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को जीत के लिए 557 रनों का टारगेट दिया था, जिसका पीछा करते हुए इंग्लिश टीम बेबस नजर आई।

इंग्लैंड की पूरी टीम चौथे दिन के आखिरी सत्र में 122 रनों पर ढेर हो गई। इस जीत के साथ ही रोहित ब्रिगेड पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 की बढ़त ले ली है। दूसरी पारी में इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा 33 रन मार्क वुड ने बनाए। भारत की ओर से रवींद्र जडेजा ने सबसे ज्यादा पांच विकेट चटकाए। कुलदीप यादव को भी दो विकेट हासिल हुआ। पहली पारी में शानदार शतक और दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर मैच में शानदार प्रदर्शन करने पर रविंद्र जडेजा को प्लेयर ऑफ द मैच के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

यशस्वी ने फिर जड़ा दोहरा शतक

इसके बाद यशस्वी जायसवाल और सरफराज खान ने मिलकर भारत को काफी मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। इस दौरान यशस्वी जायसवाल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपना दोहरा शतक पूरा किया। यशस्वी ने 236 गेंदों पर नाबाद 214 रनों की पारी खेली। यशस्वी ने अपनी पारी में 14 चौके और 12 छक्के लगाए। यशस्वी जायसवाल और सरफराज खान ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए नाबाद 172 रनों की साझेदारी की। वहीं सरफराज खान ने नाबाद 68 रन बनाए।

मायावती का फिर इंडिया गठबंधन को साफ इंकार

» बार-बार अफवाह फैलाना साबित करता है बसपा के बगैर दाल गलने वाली नहीं है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव नजदीक आ गए हैं, लेकिन विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन बिखर हर बीतते दिन के साथ बिखरता जा रहा है। कई नेताओं की ओर से बार-बार कोशिश की जा रही है कि मायावती की बहुजन समाज पार्टी भी इंडिया ब्लॉक में शामिल हो जाए। लेकिन मायावती हैं कि मानने को तैयार ही नहीं हो रही हैं।

अब फिर से मायावती के इंडिया गठबंधन में जाने की चर्चाओं के बीच एक बार फिर बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने क्लीयर कर दिया है कि वो विपक्षी खेमे के गठबंधन में शामिल नहीं होंगी। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए बताया कि बीएसपी का किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं है और इसको लेकर कई बार स्पष्ट घोषणा भी कर दी गई है, लेकिन बार-बार अफवाह फैलाना यह साबित करता है कि बीएसपी के बिना कुछ पार्टियों की यहां सही से दाल गलने वाली नहीं है।

बोलीं- बीएसपी का किसी पार्टी से गठबंधन नहीं

बहुजन पार्टी अपने बलबूते पर लोकसभा का चुनाव लड़ेगी और पार्टी का ये फैसला अटल है। बीएसपी सुप्रीमो ने कहा कि लोगों को ऐसी अफवाहों से सावधान रहने की जरूरत है। इससे पहले बीते जनवरी में मायावती ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर क्लीयर कर दिया था कि बीएसपी अकेले ही लोकसभा चुनाव में जाएगी। उन्होंने कहा था कि हमारी पार्टी देश में जल्दी ही घोषित होने वाले लोकसभा के आम चुनाव गरीबों एवं उपेक्षित वर्गों में से विशेषकर दलितों, आदिवासियों, अति वर्गों, मुस्लिम व अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक समाज के लोगों के बलबूते पर ही पूरी तैयारी व दमदारी के साथ लड़ेगी। इसी दौरान उन्होंने ऐलान कर दिया था कि देश की जातिवादी पूंजीवादी संकीर्ण और सांप्रदायिक सोच रखने वाली सभी विरोधी पार्टियों से अपनी दूरी बनाकर रखेगी। हमारी पार्टी किसी भी गठबंधन या पार्टी के साथ मिलकर चुनाव नहीं लड़ेगी।

अलग पार्टी बनाने जा रहे स्वामी प्रसाद मौर्य

पार्टी का नाम व झंडा किया लॉन्च

» 22 फरवरी को कर सकते हैं बड़ा ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी में उपेक्षा की बात कहकर राष्ट्रीय महासचिव के पद से इस्तीफा देने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य अब धीरे-धीरे पूरी तरह से समाजवादी पार्टी व अखिलेश यादव से दूरी बनाते नजर आ रहे हैं। क्योंकि अब स्वामी प्रसाद अपनी खुद की नई राजनीतिक पार्टी गठित करने जा रहे हैं। इसके लिए उन्होंने नई पार्टी का नाम व झंडा लॉन्च कर दिया है। वह 22 फरवरी को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में रैली को संबोधित करेंगे। नई पार्टी का नाम राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी होगा। इसके झंडे में नीला, लाल और हरा रंग होगा। हालांकि, इस बीच सपा के वरिष्ठ नेता राम गोविंद चौधरी उन्हें मनाने के लिए उनके घर पहुंच गए हैं।

जाहिर है कि स्वामी प्रसाद मौर्य ने बीते दिनों सपा में उपेक्षा किए जाने का आरोप लगाते हुए पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव के पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने अखिलेश यादव को लिखे गए अपने पत्र में कहा था कि डॉ। भीमराव आंबेडकर और डॉ। राममनोहर लोहिया समेत सामाजिक न्याय के पक्षधर महापुरुषों ने 85 बनाम 15 का नारा दिया था। लेकिन, समाजवादी पार्टी इस नारे को लगातार निष्प्रभावी कर रही है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भी बड़ी संख्या में प्रत्याशियों का पर्चा व सिंबल दाखिल होने के बाद अचानक प्रत्याशियों को बदला गया। इसके बावजूद वह पार्टी का जनाधार बढ़ाने में सफल रहे। विधानसभा के अंदर पार्टी को 45 से 110 पर पहुंचा दिया।

पुराने ओबीसी व दलित चेहरे भी हो सकते हैं शामिल

चर्चा ये भी है कि पुराने बहुजन चेहरों और खासकर दलित ओबीसी की राजनीति करने वाले नेता भी स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ उनकी इस पार्टी का हिस्सा बन सकते हैं। कुछ ऐसे नेता एकसाथ मिलकर स्वामी प्रसाद मौर्य एक नए राजनीतिक संगठन के साथ सामने आ सकते हैं। इसमें समाजवादी पार्टी के उनके समर्थक पूर्व विधायक पूर्व सांसद बिहार के कई नेता शामिल होंगे। हालांकि, अभी यह तय नहीं है कि पल्लवी पटेल या सलीम शेरवानी उसमें शामिल होंगे या नहीं, लेकिन स्वामी प्रसाद मौर्य ओबीसी-दलित नेताओं और चेहरों को लेकर अलग संगठन बनाने जा रहे हैं।

ईडी के छठे समन पर भी पेश नहीं हुए केजरीवाल

» आप ने कहा- अब मामला कोर्ट में, ईडी कोर्ट के फैसले का करे इंतजार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज उत्पाद शुल्क नीति मामले में चल रही जांच में शामिल नहीं होंगे। ईडी ने छठी बार समन जारी कर 19 फरवरी को पेश होने के लिए कहा था। आम आदमी पार्टी ने कहा कि ईडी के समन की वैधता का मामला अब कोर्ट पहुंच गया है। समन को लेकर एजेंसी खुद कोर्ट गई हुई है। ईडी कोर्ट के फैसला का इंतजार करे। इससे पहले भी ईडी पांच समन भेज चुकी है, जिसे मुख्यमंत्री ने नजरअंदाज कर दिया था।

इससे पहले ईडी ने 2 फरवरी, 17 जनवरी, तीन जनवरी, 21 दिसंबर और दो नवंबर को केजरीवाल को समन भेजा था, लेकिन दिल्ली सीएम पेश नहीं हुए थे। इससे पहले आप ने कहा कि केजरीवाल ने ईडी को दिए जवाब में पूछा कि यदि वह आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी नहीं हैं, तो उन्हें समन क्यों जारी किया गया।

विशेषाधिकार समिति के एक्शन पर सुप्रीम रोक

» संदेशखाली मामले में ममता सरकार को बड़ी राहत

» शीर्ष अदालत ने लोकसभा सचिवालय को जारी किया नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की सियासत में इस समय संदेशखाली का मुद्दा काफी गरमाया हुआ है। यहां महिलाओं के आरोपों के बीच, पुलिस और भाजपा सांसदों में झड़प हो गई थी।

भाजपा सांसद सुकांत मजूमदार की शिकायत पर लोकसभा सचिवालय की विशेषाधिकार समिति ने पश्चिम बंगाल के कुछ अधिकारियों को नोटिस जारी किया था।

इसी मामले में राज्य सरकार ने आज सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिस पर शीर्ष अदालत ने समिति की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। पिछले हफ्ते सभी भाजपा सांसदों को संदेशखाली जाने से रोका जा रहा था। सांसदों से दुर्व्यवहार के मामले में शिकायत मिलने पर लोकसभा सचिवालय की विशेषाधिकार समिति ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और संबंधित जिले के डीएम एसपी और थानाध्यक्ष को समन जारी कर 19 फरवरी को पेश होने का आदेश दिया था।

राजनीतिक गतिविधियां विशेषाधिकार का हिस्सा नहीं हो सकतीं

राज्य के अधिकारियों की ओर से अदालत में वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी पेश हुए। सिब्बल ने कहा कि राजनीतिक गतिविधियां विशेषाधिकार का हिस्सा नहीं हो सकती हैं। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ताओं की दलीलों का संज्ञान लिया और सोमवार सुबह साढ़े दस बजे पेश होने के लिए जारी नोटिसों पर रोक लगा दी। विशेषाधिकार समिति नोटिस पर रोक का किया विरोध समिति के वकील ने शीर्ष अदालत द्वारा नोटिस पर रोक लगाए जाने का विरोध किया और कहा कि यह विशेषाधिकार समिति की पहली बैठक है। पीठ ने लोकसभा सचिवालय और अन्य को नोटिस जारी किया और चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा और इस बीच निचले सदन की समिति के समक्ष कार्यवाही पर रोक लगा दी।

जब तक सीट बंटवारा नहीं, तब तक यात्रा में साथ नहीं : सपा

अखिलेश यादव के भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने पर सपा का दो टूक संदेश

» जयराम ने कल अखिलेश के यात्रा में आने की जताई थी उम्मीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा आजकल उत्तर प्रदेश में पहुंच चुकी है। वाराणसी और प्रयागराज होकर आज यात्रा प्रतापगढ़ पहुंच गई है, जोकि आज ही राहुल गांधी के पूर्व संसदीय क्षेत्र अमेठी में पहुंच जाएगी। हालांकि, यूपी में यात्रा के प्रवेश के तीन दिन हो चुके हैं, लेकिन अबतक इंडिया ब्लॉक में शामिल समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव शामिल नहीं हुए हैं।

लेकिन अब सपा और कांग्रेस के बयानों में विरोधाभास नजर आ रहा है। एक ओर कांग्रेस का कहना है कि अखिलेश कल यात्रा में शामिल हो सकते हैं, तो वहीं दूसरी ओर सपा की ओर से कहा जा रहा है कि जब तक सीट बंटवारे पर बात फाइनल नहीं होगी, तब यात्रा का हिस्सा सपा नहीं बनेगी। इससे पहले अखिलेश के यात्रा में शामिल होने पर जब सवाल किया गया तो कांग्रेस की ओर से जयराम रमेश ने कहा था कि उम्मीद है अखिलेश यादव कल भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होंगे।

अभी सीट बंटवारा फाइनल नहीं : अखिलेश

कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि सीट बंटवारा होने पर यात्रा में शामिल होंगे। अभी सीटों का बंटवारा फाइनल नहीं हुआ है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि गठबंधन को लेकर अभी बातचीत चल रही है, उनके पास लिस्ट आ गई है, हमने भी उन्हें लिस्ट दे दी है। जैसे ही सीटों का बंटवारा हो जाएगा, समाजवादी पार्टी उनकी न्याय यात्रा में शामिल होगी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।